Q: निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिएः

1. परसिस्टेंट स्कैटरर सिंथेटिक अपर्चर रडार (PSInSAR) का उपयोग रिमोट सेंसिंग डेटा एकत्र करने के लिए किया जाता है।
2. एक सिंथेटिक एपर्चर रडार (एसएआर) दो या तीन आयामी छवि बनाने में विफल रहता है।

नीचे दिए गए कूट से सही विकल्प का चयन करें:

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2
d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: a
व्याख्या:

- अनुसंधानकर्ताओं ने धंसाव का निरीक्षण करने के लिए 'परसिस्टेंट स्कैटरर इंटरफेरोमेट्री सिंथेटिक एपर्चर रडार' (पीएसआईएनएसएआर) तकनीक का उपयोग कर दूर संवेदन डेटा एकत्र किया।
- सिंथेटिक एपर्चर रडार (एसएआर) रडार का एक स्वरूप है जिसका उपयोग दो आयामी छवियों या वस्तुओं के त्रि-आयामी पुनर्निर्माण, जैसे परिदृश्य बनाने के लिए किया जाता है।

Q: निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिएः

1. मर्यादा अनुच्छेद 21 का भाग नहीं है।
2. भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता अनुच्छेद 19 (1) (ए) के तहत संरक्षित है।

नीचे दिए गए कूट से सही विकल्प का चयन करें:

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2
d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: b
व्याख्या:

- भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को भारत के संविधान के अनुच्छेद 19(1) (ए) के तहत एक मौलिक अधिकार के रूप में संरक्षित किया गया है, जिसमें कहा गया है कि सभी नागरिकों को भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार होगा।
- न्यायमूर्ति जोसेफ ने कहा कि उन्हें यह अपमानजनक लगा कि कैसे टीवी चैनलों ने "नाम-पुकार" का सहारा लिया। उन्होंने इस संबंध में एयर इंडिया की एक उड़ान में एक साथी यात्री पर पेशाब करने के आरोपी व्यक्ति का उल्लेख किया।
- "उसके खिलाफ जिस तरह के शब्दों का इस्तेमाल किया गया है... वह एक अंडरट्रायल है। कृपया किसी का अपमान न करें। मर्यादा भी अनुच्छेद 21 (जीवन के अधिकार) का हिस्सा है," जस्टिस जोसेफ ने कहा।
- किसी के द्वारा मुक्त भाषण का प्रयोग गरिमा के अधिकार और दूसरों के मुक्त भाषण का उल्लंघन नहीं कर सकता।

Q: निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिएः

1. सरकार पीएमकेवीवाई 4.0 के जरिए स्किल इंडिया को फिर से लॉन्च कर रही है।
2. कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय ने त्रिपुरा और नागालैंड में भी युवाओं को कौशल प्रदान करने का लक्ष्य रखा है।

नीचे दिए गए कूट से सही विकल्प का चयन करें:

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2
d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: c

व्याख्या:

- सरकार पीएमकेवीवाई 4.0 के माध्यम से स्किल इंडिया को फिर से शुरू करने जा रही है, जो मेघालय में लगभग 50,000 युवाओं को उद्योग समर्थित रोजगार अवसर प्रदान करने के साथ-साथ फ्यूचर रेडी स्किल में प्रशिक्षण देगा।
- जहां तक उत्तर पूर्व क्षेत्र के अन्य राज्यों का संबंध है; पीएमकेवीवाई 4.0 के अंतर्गत कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय ने त्रिपुरा में लगभग 60,000 और नागालैंड में 35,000 युवाओं को अनुमोदित पाठ्यक्रमों की विस्तृत श्रेणी में कुशल बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

Q: निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिएः

1. भारत ने संसदीय लोकतंत्र का वेस्टमिंस्टर मॉडल अपनाया।
2. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 87 में राष्ट्रपति को संसद के दोनों सदनों को विशेष संबोधन करने की आवश्यकता है।
3. अनुच्छेद 176 में राज्यपाल को प्रत्येक राज्य विधान सभा के पहले सत्र में एक विशेष अभिभाषण देने की आवश्यकता होती है।

नीचे दिए गए कूट से सही विकल्प का चयन करें:

a) 1 और 2
b) 2 और 3
c) 1 और 3
d) 1, 2 और 3

उत्तर: d

व्याख्या:

- जैसा कि भारत ने संसदीय लोकतंत्र के वेस्टमिंस्टर मॉडल को अपनाया, संविधान सभा ने 18 मई, 1949 को इस प्रथा को अपनाने का फैसला किया।
- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 87 में राष्ट्रपति को प्रत्येक वर्ष के पहले सत्र के प्रारंभ में समवेत संसद के दोनों सदनों को एक विशेष अभिभाषण देने की आवश्यकता है। राष्ट्रपति को अपने सम्मन के कारणों के बारे में संसद को सूचित करना होता है।
- इसी तरह, अनुच्छेद 176 में राज्यपाल को प्रत्येक राज्य विधान सभा के प्रत्येक वर्ष के पहले सत्र में और जहां भी राज्य में विधान परिषद है, दोनों सदनों में एक विशेष अभिभाषण देने की आवश्यकता है। इन प्रावधानों की भाषा हाउस ऑफ कॉमन्स के नियमों से उधार ली गई थी।

Q: निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिएः

1. संविधान का अनुच्छेद 361 राज्यपाल को किसी भी कानूनी कार्रवाई से पूर्ण छूट प्रदान करता है।
2. राज्यपाल का विशेष अभिभाषण कोई महत्वपूर्ण संवैधानिक कर्तव्य नहीं है।

नीचे दिए गए कूट से सही विकल्प का चयन करें:

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2
d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: a

व्याख्या:

- संविधान का अनुच्छेद 361 राज्यपाल को किसी भी कानूनी कार्रवाई से पूरी छूट देता है क्योंकि हमारे संस्थापकों को उम्मीद थी कि राज्यपाल ईमानदारी और मर्यादा के उच्चतम मानकों को बनाए रखेंगे। यह परेशान करने वाली बात है कि विपक्षी दलों द्वारा शासित राज्यों में राज्यपालों द्वारा संवैधानिक परंपराओं का गंभीर उल्लंघन किया जाना जारी है।
- राज्यपाल का विशेष अभिभाषण एक महत्वपूर्ण संवैधानिक कर्तव्य है, जिसे मुख्यमंत्री के नेतृत्व में मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह से पूरा किया जाता है।